पाठ 7

आपके पास एक सहायक है

इस पाठ में आप अध्ययन करेंगे

पवित्र आत्मा आपका सहायक है
पवित्र आत्मा का फल
आत्मा में चलना
आपमें पवित्र आत्मा की सामर्थ
आत्मा के वरदान

पवित्र आत्मा आपका सहायक है

इस समय सम्भवत : आप अपने आपसे कह रहे हों : "यह सब कुछ मेरे लिए बहुत ही उलझा हुआ लगता है। मुझे मालूम नहीं कि मैं मसीही जीवन जी सकता हूं कि नहीं। इतनी बातें करने को हैं कि मैं तो उन सबको स्मरण भी नहीं रख सकता, उनके अनुसार करना तो दूर की बात रही।"

हताश न हों; यह इतना कठिन नहीं है जितना दिखाई पड़ता है, क्योंकि पवित्र आत्मा आपका सहायक होने के लिए आ गया है। मसीही जीवन नियमों का एक समूह नहीं है कि आप अवश्य ही उनका पालन करें, और आपके अच्छा होने के संघर्ष पर आधारित नहीं रहता। यह है परमेश्वर ने जो कुछ आपके लिए कर दिया है उसको स्वीकार करना है, पवित्र आत्मा को अपने आपमें रहने देते हुए और उसको पूरा नियन्त्रण देते हुए।

आप का काम

1. कौन है सहायक जिसको परमेश्वर ने आपके साथ सर्वदा रहने के लिए भेज दिया है?

.....अ) एक याजक
.....ब) एक पास्तर
.....स) पवित्र आत्मा

2. मसीही जीवन है

.....अ) नियमों का एक समूह जिसका अवश्य है कि आप पालन करें।
.....ब) अच्छा बनने के लिए आपका लगातार संघर्ष।
.....स) मसीह के समान होने का यत्न।
.....द) पवित्र आत्मा को अपने में रहने देना और उसको पूरा नियंत्रण देना।

उत्तर : 1. स) पवित्र आत्मा 2. द) पवित्र आत्मा को अपने में रहने देना और उसको पूरा नियंत्रण देना।

पवित्र आत्मा एकदम हर स्थान में हो सकता है। जब यीशु इस पृथ्वी पर था तो वह एक समय एक ही स्थान में होता था। जब वह वापिस स्वर्ग को चला गया, तो उसने सब मसीहियों के साथ रहने के लिए पवित्र आत्मा को भेज दिया कि वह हममें रहे, अगुवाई करे और समस्याओं के समय हमारी सहायता करे।

> और मैं पिता से विनती करूंगा और वह तुम्हें एक और सहायक देगा, कि वह सर्वदा तुम्हारे साथ रहे। परन्तु सहायक अर्थात् पवित्र आत्मा जिसे पिता मेरे नाम से भेजेगा, वह तुम्हें सब बातें सिखाएगा, और जो कुछ मैंने तुमसे कहा है, वह सब तुम्हें स्मरण कराएगा। **यूहन्ना 14 : 16, 26**

आप का काम

3. पवित्र आत्मा के साथ रहने के लिए आ चुका है

.....अ) प्रत्येक मसीही के साथ हर समय।

.....ब) कुछ एक मसीहियों के साथ।

उत्तर : 3. अ) प्रत्येक मसीही के साथ हर समय।

पवित्र आत्मा का फल

आप के जीवन में पवित्र आत्मा की उपस्थिति परिणामों को पैदा करती है जिन्हें आत्मा का फल कहा जाता है। वह आप को ठीक काम करने की इच्छा प्रदान करता है, और तब वह आपको उन्हें करने की सामर्थ देता है। जब आप उसे आपकी अगुवाई और सहायता करने देते हैं तो वह आपमें एक अनोखे मसीही जीवन के

चरित्र को विस्तार करता है। आपके अच्छे व्यवहार, बोल और क्रियायें मीठे फल की तरह हैं। आप का परिवार और मित्र आपके आसपास रहकर आपका आनन्द उठायेंगे, परन्तु आत्मा का अधिकार फल आपके स्वर्गीय पिता को प्रसन्न करेगा।

पर आत्मा का फल प्रेम, आनन्द, मेल, धीरज, कृपा, भलाई, विश्वास, नम्रता और संयम है। **गलतियों 5 : 22, 23**

मेरे पिता की महिमा इसी से होती है, कि तुम बहुत सा फल लाओ। **यूहन्ना 15 : 8**

आप का काम

4. "आत्मा का फल" की ओर संकेत करता है

.....अ) आत्मायें जो कि आध्यात्मिक मुहिम में बची हों।

.....ब) वे अच्छे गुण जो कि पवित्र आत्मा हमारे चरित्र में पैदा करता है।

5. स्मरण कीजिए गलतियों 5 : 22, 23।

उत्तर : 4. ब) वे अच्छे गुण जो कि पवित्र आत्मा हमारे चरित्र में पैदा करता है।

आत्मा में चलना

यह तो स्वाभाविक ही है कि हम अपना मार्ग अपनाना चाहते हैं। यह मानव स्वभाव का झुकाव है। हम वही करना चाहते हैं जोकि हमें पसन्द आता है इसकी अपेक्षा जो कि हम जानते हैं कि

हमें करना चाहिए। यही कारण है कि हमें पवित्र आत्मा के शान्त स्वर को सुनना चाहिए, जैसा कि वह हमें परमेश्वर के इच्छा के अनुसार करने को प्रेरित करता और मार्ग दिखलाता है।

> आत्मा के अनुसार चलो, तो तुम शरीर की लालसा किसी रीति से पूरी न करोगे। यदि हम आत्मा के द्वारा जीवित हैं, तो आत्मा के अनुसार चलें भी। **गलतियों 5 :16, 25.**

आप का काम

6. गलतियों 5:16 में "तुम शरीर की लालसा किसी रीति से पूरी न करोगे" का अर्थ है

.....अ) जो आपको चाहिए वह आप न पायेंगे।

.....ब) आप एक परेशानी का जीवन जियेंगे।

.....स) आप अपनी स्वाभाविक इच्छाओं जो कि आपको अपना ही मार्ग अपनाने देती हैं उन पर विजय प्राप्त करेंगे।

उत्तर : 6. स) आप अपनी स्वाभाविक इच्छाओं जो कि आपको अपना ही मार्ग अपनाने देती हैं उन पर विजय प्राप्त करेंगे।

परमेश्वर का आत्मा आप को दिशा बतलाएगा और आप को सामर्थ देगा, परन्तु वह आपको स्वर्ग पर ऊंची सड़क पर नहीं ले चलेगा। आपको ही अपने दोनों पावों से चलना होगा। आप को अवश्य ही पवित्र आत्मा के साथ सहयोग करना होगा और उसे आपकी अगुवाई करने देना होगा। इसी को बाईबल कभी-कभी

आत्मा में चलना कहती है। जब आप बाईबल पढ़ते हैं और जो कुछ वह सिखलाती है उसे अभ्यास में लायें तो आप इस को स्वयं ही कर रहे हैं।

आप का काम

7.आत्मा में चलने का अर्थ है

.....अ) निरन्तर हर्षोन्माद की स्थिति में रहना।

.....ब) आपकी दैनिक क्रियाओं (गतिविधियों) में पवित्र आत्मा की अगुवाई में चलना।

उत्तर : 7. ब) आपकी दैनिक क्रियाओं (गतिविधियों) में पवित्र आत्मा की अगुवाई में चलना।

पवित्र आत्मा की आप में सामर्थ

यीशु को यह मालूम था कि उसके अनुयाइयों (शिष्यों) को उनकी शक्ति से बड़ी शक्ति की आवश्यकता पड़ेगी ताकि वे परमेश्वर के कार्य को कर सकें। इसलिए उसने उन्हें उस समय तक ठहरने के लिए कहा जब तक कि वे पवित्र आत्मा से भर न जाएं कि वे शक्ति (सामर्थ) पाकर सारे संसार में उसके गवाह बन जाएं।

पिता की उस प्रतिज्ञा के पूरे होने की बाट जोहते रहो, जिसकी चर्चा तुम मुझसे सुन चुके हो। क्योंकि यूहन्ना ने तो पानी में बपतिस्मा दिया है परन्तु थोड़े दिनों के बाद तुम पवित्र आत्मा से बपतिस्मा पाओगे ..... परन्तु जब पवित्र आत्मा तुम पर आएगा तब तुम सामर्थ पाओगे; और यरूशलेम और सारे यहूदिया और सामरिया में और पृथ्वी की छोर तक मेरे गवाह होगे। **प्रेरितों के काम 1 : 4, 5, 8**

यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले ने यीशु के बारे में कहा।

वह तुम्हें पवित्र आत्मा और आग से बपतिस्मा देगा।
लूका. 3:16

आप का काम

8. पढ़िये प्रेरितों के काम 1:4, 5, 8 तीन बार।
9. यूहन्ना ने कहा यीशु बपतिस्मा देगा।
.....अ) पश्चाताप का पानी से।
.....ब) पवित्र आत्मा और आग से।

उत्तर : 9. ब) पवित्र आत्मा और आग से।

प्रेरितों के काम की पुस्तक हमें रोमांचकारी कहानी देती है कि किस प्रकार परमेश्वर ने पिन्तेकुस्त के दिन इस प्रतिज्ञा को पूरा किया और तद्पश्चात् उसके अनोखे परिणाम।

और वे सब पवित्र आत्मा से भर गए और जिस प्रकार आत्मा ने उन्हें बोलने की सामर्थ दी, वे अन्य-अन्य भाषा बोलने

लगे। और आकाश के नीचे की हर एक जाति में से भक्त यहूदी यरूशलेम में रहते थे..... और वे सब चकित और अचम्भित होकर कहने लगे; देखो ये जो बोल रहे हैं क्या सब गलीली नहीं। .....परन्तु अपनी-अपनी भाषा में उनसे परमेश्वर के बड़े-बड़े कामों की चर्चा सुनते हैं। **प्रेरितों के काम 2:4, 5, 7, 11.**

पवित्र आत्मा में यह बपतिस्मा, या पवित्र आत्मा से भरते जाना, जिसे पिन्तेकुस्त का अनुभव भी कहा जाता है क्योंकि सबसे पहिले इसका होना पिन्तेकुस्त के दिन हुआ था। जब एक व्यक्ति पवित्र आत्मा की सामर्थ के अधीन हो कर एक ऐसी भाषा को प्रयोग करता है जिसे वह नहीं जानता, हम इसे कभी-कभी गलॉसा-ललिया कहते हैं। इस यूनानी शब्द का अर्थ भाषाओं में बोलना है। हम इसे करिसमेटिक अनुभव भी कहते हैं, करिश्मा से जिसका अर्थ है "वरदान"। इसका अर्थ है कि यह पवित्र आत्मा का वरदान है और एक ऊंचे प्रकार का अनुभव है।

आप का काम

10. पवित्र आत्मा में बपतिस्मे को कहते हैं

.....अ) मसीह की देह में बपतिस्मा।

.....ब) डुबकी के द्वारा बपतिस्मा।

.....स) पिन्तेकुस्त का अनुभव

11. पवित्र आत्मा की सामर्थ की अधीनता में बोली गई अन्य भाषा को कहा जाता है।

.....अ) गलॉसाललिया, या भाषाओं में बोलना।

.....ब) गलॉसरी।

.....स) भिन्न-भिन्न भाषाओं को बोलने की योग्यता।

उत्तर : 10. स) पिन्तेकुस्त का अनुभव।
11. अ) गलॉसाललिया, या भाषाओं में बोलना।

यीशु ने यह प्रतिज्ञा की कि पवित्र आत्मा में सामर्थ देगा। इस सामर्थ के दो उद्देश्य हैं :

- दूसरों को यीशु के बारे में बतलाने के लिये सहायता के निमित्त।
- हमें और प्रभावशाली प्रार्थना करने में सहायता के निमित्त।

जब मसीही साक्षी देते और पवित्र आत्मा की सामर्थ में प्रार्थना करते हैं तो उस प्रार्थना के उत्तर में अनोखी बातें होती हैं और बहुत सी आत्मायें प्रभु की ओर मुड़ती हैं।

> पतरस उन ग्यारह के साथ खड़ा हुआ और ऊंचे शब्द से कहने लगा; सो जिन्होंने उसका वचन ग्रहण किया उन्होंने बपतिस्मा लिया; और उसी दिन तीन हजार मनुष्यों के लगभग उनमें मिल गए। **प्रेरितों के काम 2:14, 41।**
>
> और वे सब पवित्र आत्मा से परिपूर्ण हो गए, और परमेश्वर का वचन हियाव से सुनाते रहे। **प्रेरितों के काम 4:31.।**

आप का काम

12. पवित्र आत्मा में बपतिस्मा मुख्य रूप से मसीहियों को इसके लिए सामर्थ देता है

.....अ) मसीह के लिए साक्षी और प्रभावशाली प्रार्थना।

.....ब) उनकी आध्यात्मिकता से दूसरों पर प्रभाव डालना।

.....स) आश्चर्य कर्म करने को।

उत्तर : 12. अ) मसीह के लिए साक्षी और प्रभावशाली प्रार्थना।

यही सामर्थ आज मसीहियों के लिए है। बीसवीं शताब्दी के आरम्भ से लेकर करोड़ों लोगों ने भिन्न-भिन्न विश्वास के गिरजाघरो जो कि सारे विश्व में पाये जाते हैं सामर्थ के एक बपतिस्मे में इस पिन्तेकुस्त का अनुभव प्राप्त किया है।

> मन फिराओ और तुममें से हर एक अपने-अपने पापों की क्षमा के लिए यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले; तो तुम पवित्र आत्मा का दान पाओगे, क्योंकि यह प्रतिज्ञा तुम, और तुम्हारी सन्तानों, और उन सब दूर-दूर के लोगों के लिए भी है जिन को प्रभु हमारा परमेश्वर अपने पास बुलाएगा। **प्रेरितों के काम 2:38. 39.**

आप का काम

13. क्या आप पवित्र आत्मा की इस सामर्थ को अपने जीवन में चाहते हैं?.....
क्या आप चाहते हैं कि परमेश्वर की आग के हृदय में जलती रहे ताकि प्रभु की विषय में दूसरों को बतलाने में आसानी हो जाए.....?
क्या आप और अधिक प्रभावशाली प्रार्थना करना चाहते हैं?..... पिन्तेकुस्त का यह अनोखा अनुभव आप के लिए है। परमेश्वर से कहिए कि वह आप को पवित्र आत्मा से बपतिस्मा दे।

आत्मा के वरदान

मसीह चाहता है कि उसकी कलीसिया आध्यात्मिक शक्ति से भरपूर हो, इसलिए पवित्र आत्मा उसके भिन्न-भिन्न सदस्यों को विशेष वरदान और योग्यताएं देता है। इस तरह से प्रत्येक सदस्य कलीसिया के कार्य और उसकी वृद्धि में भाग ले सकता है।

> वरदान तो कई प्रकार के हैं, परन्तु आत्मा एक ही है। किन्तु सब के लाभ पहुंचाने के लिए हर एक को आत्मा का प्रकाश दिया जाता है। परन्तु ये सब प्रभावशाली कार्य वही एक आत्मा करवाता है और जिसे जो चाहता है वह बांट देता है।
> **1 कुरिन्थियों 12:4, 7, 11.**

आप का काम

14. पवित्र आत्मा के वरदान हैं

.....अ) प्रारम्भिक कलीसिया के प्रेरितों के लिए ही।

.....ब) केवल प्रचारकों के लिए।

.....स) आज कलीसिया के सदस्यों के लिए।

15. प्रार्थना करें कि परमेश्वर पिन्तेकुस्त की बेदारी (जागृति) सारे संसार में निरन्तर रखे।

16. प्रार्थना करें कि पवित्र आत्मा के वरदान आप की कलीसिया के सभी सदस्यों को मिले।

उत्तर : 14. स) आज कलीसिया के सदस्यों के लिए।